भारत सरकार

योजना मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3150

दिनांक 19.03.2025 को उत्तर देने के लिए

अटल इनोवेशन मिशन

3150. **डॉ. के. सुधाकर:**

क्या **योजना** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम) के अंतर्गत संपूर्ण देश में और विशेषकर ओडिशा में स्थापित सक्रिय अटल टिंकरिंग लैब (एटीएल) की संख्या कितनी है;

(ख) क्या स्कूली बच्चों पर एटीएल के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए नवाचार और जिज्ञासा को बढ़ावा देने में इन लैब्स के लाभ और परिणाम सहित कोई प्रभाव आकलन किया गया हैं;

(ग) सरकार द्वारा एआईएम के अंतर्गत और विशेषकर ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में एटीएल की पहुंच को और बढ़ाने के लिए किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है;

(घ) स्कूली छात्रों में जिज्ञासा और रचनात्मकता उत्पन्न करने के लिए एटीएल को किस प्रकार डिजाइन किया गया है और निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कौन-सी विशिष्ट गतिविधियां या दृष्टिकोण कार्यान्वित किए जा रहे हैं; और

(ङ) कर्नाटक में मिशन के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने वाले स्टार्ट-अप सहित अटल इनोवेशन मिशन के अंतर्गत स्टार्ट-अप को दी गई सहायता का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय;
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) योजना मंत्रालय एवं
राज्यमंत्री, संस्कृति मंत्रालय

(राव इंद्रजीत सिंह)

(क) अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम), नीति आयोग ने देशभर में 10,000 अटल टिंकरिंग लैब (एटीएल) स्थापित की हैं, जिनमें से 331 एटीएल ओडिशा में हैं।

(ख) जी, हाँ।

(ग) एआईएम द्वारा स्थापित 10,000 एटीएल में से 5,692 (56.92%) एटीएल ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा 1022 (10.22%) एटीएल आकांक्षी जिलों में स्थापित किए गए हैं।

(घ) प्रत्येक एटीएल विभिन्न प्रकार के उपकरण और प्रौद्योगिकियों से लैस हैं, जिन्हें छात्रों में नवाचार और व्यावहारिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया है। एटीएल में 21वीं सदी के उपकरण और प्रौद्योगिकियां जैसे कि आईओटी, 3डी प्रिंटिंग, रैपिड प्रोटोटाइपिंग उपकरण, रोबोटिक्स, मिनिएचराइज्ड इलैक्ट्रॉनिक्स, स्वयं करने योग्य किट आदि शामिल हैं। प्रशिक्षण, कार्यशालाएं और हैकथॉन नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं और उभरती हुई प्रौद्योगिकियों और 21वीं सदी के कौशल पर शिक्षण मॉड्यूल प्रकाशित किए जाते हैं।

(ङ) एआईएम अपने अटल इन्क्यूबेशन सेंटर (एआईसी) और अटल कम्युनिटी इनोवेशन सेंटर (एसीआईसी) कार्यक्रमों के माध्यम से स्टार्ट-अप्स को सहायता प्रदान करता है। ये केंद्र स्टार्ट-अप्स को भौतिक कार्य स्थान, आईटी, लैब और संबंधित अवसंरचना, संसाधनों तक पहुंच, तकनीकी और व्यावसायिक विकास मेंटर और विशेषज्ञ तथा संभावित वित्त एआईसी तक पहुंच प्रदान करते हैं। एआईसी और एसीआईसी ने 4000 से अधिक स्टार्ट-अप्स को इन्क्यूबेट किया है। कर्नाटक में 11 एआईसी ने 370 से अधिक स्टार्ट-अप को इन्क्यूबेट किया है।

*****